



Literacy for a Billion

Movie: Hamraaz 1967

Year: 1967

ना मुँह छुपाके जीओ  
और ना सर झुकाके जीओ  
हो ...

ना मुँह छुपाके जीओ  
और ना सर झुकाके जीओ  
ग़मों का दौर भी आए तो  
मुस्कुराके जीओ

ना मुँह छुपाके जीओ  
और ना सर झुकाके जीओ  
ना मुँह छुपाके जीओ  
और ना सर झुकाके जीओ

घटा में छुपके सितारे  
फ़ना नहीं होते  
घटा में छुपके सितारे  
फ़ना नहीं होते  
अँधेरी रात के  
अँधेरी रात के  
दिल में दीए जलाके जीओ

ना मुँह छुपाके जीओ  
और ना सर झुकाके जीओ  
ग़मों का दौर भी आए तो  
मुस्कुराके जीओ  
ना मुँह छुपाके जीओ  
और ना सर झुकाके जीओ

ना जाने कौन सा पल

Song: Na Munh Chhupake Jeeyo

Lyricist: Sahir Ludhianvi

मौत की अमानत हो  
ना जाने कौन सा पल  
मौत की अमानत हो  
हर एक पल की  
हर एक पल की  
खुशी को गले लगाके जीओ

ना मुँह छुपाके जीओ  
और ना सर झुकाके जीओ  
हो ग़मों का दौर भी आए तो  
मुस्कुराके जीओ

ना मुँह छुपाके जीओ  
और ना सर झुकाके जीओ

ये ज़िन्दगी किसी मंज़िल पे  
रुक नहीं सकती  
ये ज़िन्दगी किसी मंज़िल पे  
रुक नहीं सकती  
हर इक मक़ाम से  
हर इक मक़ाम से  
आगे क़दम बढ़ाके जीओ

ना मुँह छुपाके जीओ  
और ना सर झुकाके जीओ  
हो ...

ना मुँह छुपाके जीओ  
और ना सर झुकाके जीओ  
ग़मों का दौर भी आए तो



Literacy for a Billion

मुस्कुराके जीओ  
ना मुँह छुपाके जीओ  
और ना सर झुकाके जीओ  
ना मुँह छुपाके जीओ  
और ना सर झुकाके जीओ

हो ...  
ना मुँह छुपाके जीओ  
और ना सर झुकाके जीओ  
ना मुँह छुपाके जीओ  
और ना सर झुकाके जीओ

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*